पासिंग आउट परेड में शामिल सशस्त्र महिला पुलिस बटालियन

जागरण

सोनी हाथ रायफल और नानी आंख आंसू

भुवनेश्वर वात्स्यायन, पटना

- रायफल के साथ अपनी बेटियों को परेड करते देख निहाल हो गए परिजन
- उन्नीस प्लाटून में बंटकर सशस्त्र महिला पुलिस बटालियन ने पासिंग आउट परेड में हिस्सा लिया

बक्सर के एक गांव से राजधानी के गांधी मैदान पहुंची थीं सोनी की नानी। सोनी के नाना भी थे संग और चाची के साथ अन्य परिजन भी। बूढ़ी आंखों में इतना दम तो सच में नहीं था कि कई मीटर दूर खड़ी सोनी को वह दर्शक दीर्घा से साफ-साफ देख सकें। नानी को नाना थोड़ा गाइड कर रहे थे-ओही त बाड़ी। नानी ने कहा-उ त छोट बिया अ बबुनी त..। खैर ब्रास बैंड की धुन पर कभी बाजू शस्त्र तो कभी सावधान, विश्राम और गोला बनाकर तेज चल के बाद कदमताल वाली धुन तेज हुई। पाइड पाइपर आगे और फिर सोनी अपने प्लाटून के साथ मार्च करती हुई दर्शक दीर्घा से सटे ट्रैक पर आ गयी। नानी भर्राये गले से तेज आवाज में चिल्लायी-देख...। आंखें तृप्त हो गयीं इस उम्र। खुशी के आंसू छलक उठे। सोनी के पिता गृहस्थ हैं। फुलवारीशरीफ में रहने का इंतजाम हो गया था नाना-नानी के लिए और सभी सुबह-सुबह पासिंग आउट परेड में आ गए। जब मुख्यमंत्री परेड में शामिल महिला पुलिसकर्मियों को पुरस्कृत करने लगे तो नानी बेधड़क उधर भी पहुंच गयी। नाना थोड़ा पीछे छूट गये। हमने कहा-जाईं उधरे। थोड़ा आत्मीय हो गए और भीड़ में खड़े एक लंबी काठी वाले युवक की ओर इशारा करते हुए कहा-भाई है सोनी का। ना भइल ह अभी ओकर। एतना लंबा जवान अइजा कोई नइखे..।

महिला बटालियन की 230 सिपाही ग्रेजुएट व 44 पोस्ट ग्रेजुएट

पटना: नवगठित सशस्त्र महिला पुलिस बटालियन की 230 सिपाही विभिन्न विषयों में ग्रेजुएट हैं और 44 ने पोस्ट ग्रेजुएट किया है। कई ने कंप्यूटर की भी पढ़ाई की है। इन्हें चौदह माह का प्रशिक्षण मिला है।

पासिंग आउट परेड में माहौल भावनाओं से सराबोर था। प्रेस दीर्घा में कुछ लड़कियां मोबाइल से फोटो का एंगल तलाश रहीं थीं। आपस में बात कर रही थीं- सीमा दीदी के हम खींच लेते हैं तू अनितवा के खींच ल। बात करते ही वह ट्रैक पर आ गयीं जिनकी तस्वीर उन्हें खींचनी थी। बड़ी संख्या में महिलाएं छोटे-छोटे बच्चों के साथ पहुंचीं थीं। घर की छोटी बिटिया को राइफल के साथ गांधी मैदान में मार्च करते देखना उनके लिए जिंदगी भर याद रखने वाला लमहा था। बड़े भव्य अंदाज में हुआ पासिंग आउट परेड। परेड के क्रम में उन्हें शपथ दिलायी गयी। कर्तव्य, ईमानदारी और साहस के साथ-साथ अपने अधिकारियों व सहकर्मियों के विश्वासपात्र बनने की शपथ।

उन्नीस प्लाटून में बांटा गया था 580 की संख्या वाले महिला सशस्त्र बटालियन को। इसकी कमान क्रमशः रिमझिम, कुसुम, सुमन, रिंकी, राधा रानी, पार्वती कुमारी, अंजू प्रसाद, पिंकी, रेखा, वंदना, खुशबू, पूजा, मिंकू, मीरा, खुशबू, कौशल्या, प्रियंका भारती, संध्या और राखी को सौंपी गयी थी। बुनियादी प्रशिक्षण में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए जयश्री को प्रथम, मीरा सिन्हा को द्वितीय और रिमझिम को तृतीय पुरस्कार मिला। अंतःविषय के लिए खुशबू, निकी और जयश्री रचना को पुरस्कार मिला। वाह्य विषय में जयश्री, मीरा सिन्हा और मिंकू कुमारी को पुरस्कार मिला।